24 OCT 11 2026.qxd 23-10-2026 23:00 Page 1

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल,'भूत बंगला' का वर्ल्ड टेलीविज़न



जब अक्षय कुमार की ज़बर्दस्त कॉमिक टाइमिंग मिलती है प्रियदर्शन की कहानी कहने के खास अंदाज़ से, तो हँसी, अफरा-तफरी और मनोरंजन का धमाल होना तय है। अपनी मशहूर जोड़ी के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने आ रहे हैं अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन। उनकी फिल्म 'भूत बंगला' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर रविवार, 25 अक्टूबर को रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर होने जा रहा है। प्रियदर्शन के अंदाज़ में मची अफरा-तफरी और अक्षय कुमार की बेफिक्र कॉमेडी के साथ यह फिल्म दर्शकों को ऐसे मजेदार सफर पर ले जाएगी, जहाँ एक पल डर लगेगा और अगले ही पल हँसी छूट जाएगी। अक्षय कुमार के साथ फिल्म में तब्बू, परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता, स्वर्गीय असरानी, राजेश शर्मा और मिथिला पालकर भी अहम् भूमिकाओं में नज़र आएँगे। इतने शानदार कलाकारों की टोली कहानी के मजे को और बढ़ाती है। फिल्म में कुछ ऐसा गड़बड़झाला होता है कि अलौकिक घटनाएँ और मजेदार गलतफहमियाँ एक साधारण-सी शादी को ऐसे रोमांचक सफर में बदल देती हैं, जहाँ हर मोड़ पर कुछ नया देखने को मिलता है। अक्षय कुमार ने कहा, भूत बंगला की शूटिंग पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक खूब मजेदार रही। प्रियदर्शन सर के साथ दोबारा काम करना ऐसा लगता है, जैसे अपने घर लौट आया हूँ। वामिका गब्बी ने कहा,भूत बंगला का हिस्सा बनना किसी सपने के सच होने जैसा था। अक्षय सर और परेश जी के साथ स्क्रीन साझा करना और प्रियदर्शन सर के निर्देशन में काम करना मेरे लिए हर दिन कुछ नया सीखने जैसा रहा। प्रियदर्शन ने कहा,भूत बंगला एक ऐसी फिल्म है, जिसे मैंने बहुत प्यार से बनाया है। इस फिल्म ने मुझे अक्षय के साथ दोबारा काम करने और शानदार कलाकारों की टोली के साथ जुड़ने की खुशी दी। परेश रावल ने कहा, जब किसी फिल्म में प्रियदर्शन और अक्षय साथ हों, तो आपको पहले से ही पता होता है कि सेट पर खूब हँसी मजाक होने वाला है।

इंद्रिया ने पेश किया अपना दिवाली कैंपेन

दिवाली साल के उन गिने-चुने मौकों में से है, जब हम अपने हर चहेते के लिए खुशियां जुटाने में पूरे मन से लग जाते हैं। घर सजाने और पूजा-पाठ की तैयारी से लेकर तोहफे चुनने और परिवार व दोस्तों के स्वागत तक, हर छोटी-बड़ी बात मायने रखती है। फिर भी, इस जश्न के बीच अपने सबसे करीबी लोगों के लिए प्यार जताने के सबसे सीधे-सादे तरीके अक्सर पीछे छूट जाते हैं। इंद्रिया के अस इन वी दर्शन पर आधारित फेस्टिवल ऑफ लव उन रिश्तों और जुड़ाव के पलों को समर्पित है, जो हर उत्सव के केंद्र में होते हैं। इस दिवाली आदित्य बिरला ज्वेलरी का ब्रांड इंद्रिया अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ के साथ अपने नए कैंपेन के जरिए इस सोच को सामने ला रहा है। यह कैंपेन दिवाली की बड़ी रौनक के बीच दो लोगों के आपसी प्यार, अपनेपन और नजदीकी को बखूबी दिखाता है। फिल्म में अदिति और सिद्धार्थ त्योहार पर दोस्तों की मेहमाननवाजी की तैयारी कर रहे हैं।

रेलवे स्टेशनोंपर यात्रियों और आम नागरिकोंके साथ सीधा संवाद

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सतीश कुमार, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आज 'रेल जन संवाद' कार्यक्रम में भाग लिया। आज, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे द्वारा दिल्ली मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 'रेल जन संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर राजेश कुमार पाण्डेय, पुष्पेश रमण त्रिपाठी तथा रेलवे बोर्ड एवं उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यात्रियों और आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को समझने के उद्देश्य से नई दिल्ली रेलवे



स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत की। सतीश कुमार ने यात्रियों को भारतीय रेल द्वारा स्टेशन की स्वच्छता बढ़ाने, सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, यात्री सुविधाओं में सुधार करने तथा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। यात्रियों को स्टेशन की स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित अपनी प्रतिक्रियाएं, सुझाव और समस्याएं साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों ने यात्रियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना। यह पहल यात्री-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने, जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करने तथा सुविधाओं में निरंतर सुधार के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने वहां मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों और यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीस 'स्वच्छाग्रहियों' को स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय काम करने के लिए सम्मानित किया गया। स्टेशन परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छ, कुशल और यात्री-अनुकूल रेलवे स्टेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यात्री संतुष्टि, जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, आज दिल्ली मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी 'रेल जन संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन स्टेशनों में हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, दिल्ली जंक्शन, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली कैंट, फरीदाबाद, गुरुग्राम, गाजियाबाद, शकूरबस्ती, मेरठ सिटी, दिल्ली शाहदरा, कुरुक्षेत्र, रोहतक, करनाल, पानीपत, शामली, मुज़फ्फरनगर, मेरठ कैंट, जींद जंक्शन, जाखल, सोनीपत और नरवाना रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इन सभी स्टेशनों पर दिल्ली मंडल के अधिकारियों ने यात्रियों के साथ संवाद किया तथा स्टेशन की स्वच्छता, यात्री सुविधाओं और अन्य संबंधित विषयों पर उनकी प्रतिक्रियाएं एवं सुझाव प्राप्त किये।

अमेरिका का तेल भंडार 1982 के बाद सबसे निचले स्तर पर

नयी दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच अमेरिका के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (स्क्रक्र) में तेल का भंडार घटकर 282.7 मिलियन बैरल रह गया है। यह अक्टूबर 1982 के बाद का सबसे निचला स्तर है। पिछले सप्ताह इस भंडार में 3 लाख बैरल की कमी दर्ज की गई। वहीं, अमेरिका में डीजल की कीमतें भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे ईंधन आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। आंकड़ों के मुताबिक, 20 मार्च से अमेरिका के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व में 132.8 मिलियन बैरल यानी करीब 32 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले 30 सप्ताह में से 29 सप्ताह तेल भंडार में कमी दर्ज की गई। वर्ष 2020 में अमेरिका का रणनीतिक तेल भंडार 653.9 मिलियन बैरल था, जो मौजूदा स्तर से काफी अधिक था। रणनीतिक भंडार के अलावा अमेरिका के वाणिज्यिक कच्चे तेल के स्टॉक में भी गिरावट आई है। पिछले सप्ताह इसमें 3.1 मिलियन बैरल की कमी आई, जिससे यह घटकर 412.5 मिलियन बैरल रह गया। यह जुलाई के अंत के बाद का सबसे निचला स्तर है और मौसमी पांच साल के औसत से करीब 3ल कम है। अमेरिका में डीजल की कीमतें भी दबाव बढ़ा रही हैं। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के मुताबिक, 19 अक्टूबर 2026 वाले सप्ताह में हाईवे पर इस्तेमाल होने वाले डीजल की राष्ट्रीय औसत खुदरा कीमत 6.276 डॉलर प्रति गैलन रही। वहीं, मोटरिस्ट संगठन के अनुसार, मंगलवार को यह औसतन करीब 6.32 डॉलर प्रति गैलन थी। ईरान युद्ध और यूक्रेन के रूसी रिफाइनरियों पर हमलों से तेल और ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है।

'आफिस-आफिस' सीरियल की तरह न भटके आम आदमी, नागरिक संतुष्टि ही लोकसेवक का रिपोर्ट कार्ड- मुख्यमंत्री

लखनऊ (आससे)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक आम आदमी का अपने काम के लिए कार्यालय दर कार्यालय भटकना पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा करता है। किसी बुजुर्ग, युवा, महिला, किसान या जरूरतमंद को निराश लौटना पड़े और उसे समयबद्ध समाधान न मिले, तो लोक सेवा का उद्देश्य पूरा नहीं होता। नागरिक संतुष्टि ही किसी भी लोकसेवक का रिपोर्ट कार्ड है। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के लिए सही व्यक्ति को सही पद पर तैनात करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता, उपलब्धियों और सक्सेस स्टोरी को वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) तथा पदोन्नति से जोड़ने की दिशा में काम होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोकभवन में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत 'साधना श्रृंखला' की उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर तीन महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रुपाम) को एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने, पंचायतों और नगर निकायों के कार्मिकों की क्षमता बढ़ाने तथा 'राइट पर्सन फॉर द राइट रोल' की अवधारणा को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र हासिल करना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान, सरल प्रक्रियाएं और बेहतर जनसेवाएं सुनिश्चित करना है। रुपाम और भारत सरकार के क्षमता विकास आयोग के संयुक्त

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत 'साधना श्रृंखला' की उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने की तीन प्रमुख घोषणाएं



तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में आठ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आज भी किसी बुजुर्ग को पेंशन के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। सामान्य नागरिक की छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान समय पर नहीं हो पाता। 'ऑफिस-ऑफिस' धारावाहिक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि एक नागरिक का सामान्य से काम के लिए विभिन्न कार्यालयों में भटकना पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है। समस्याओं को जानबूझकर लटकाना या जानकारी के अभाव में समाधान न कर पाना, दोनों स्थितियां प्रशासन के लिए गंभीर हैं। एक अयोग्य व्यक्ति का जिम्मेदार पद पर बैठना भी खतरनाक है और एक लापरवाह व्यक्ति का वहां बने रहना भी। कई बार कर्मचारी अपने अधिकारों और पदोन्नति को लेकर सजग रहते हैं, लेकिन अपने दायित्वों के प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाते। इसलिए कार्मिकों की क्षमता का निरंतर विकास होना चाहिए, उनकी जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए और उनके कार्य का मूल्यांकन भी होना चाहिए। बार-बार शिकायत के आदी व्यक्ति से अलग, एक सामान्य नागरिक की वास्तविक समस्या का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

त्योहारी मांग को देखते हुए कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की समयसीमा बढ़ी

नयी दिल्ली (आससे)। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की समयसीमा 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) के तहत आयात की अनुमति अब इस साल 31 दिसंबर तक रहेगी। इससे पहले यह समयसीमा 31 अक्टूबर निर्धारित की गई थी। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति बढ़ाना है।

भाजपा के लोगों ने फर्जी मतदान और बेईमानी का किया प्रयास-अखिलेश

लखनऊ (आससे)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग निराश और फ्रस्ट्रेट है। यह शिक्षक और स्नातक चुनाव सीमित लोगों का है। इसमें केवल शिक्षक और स्नातक ही वोट डालते हैं। इस चुनाव में भी हार के डर से भाजपा बौखलाई हुई है। भाजपा के लोगों ने फर्जी मतदान और बेईमानी का प्रयास किया। शिक्षक और स्नातक विधान परिषद चुनाव में वोट डालने जा रहे समाजवादी पार्टी के लोगों को रोकने के लिए भाजपा ने अपने गुण्डों और भ्रष्ट अधिकारियों को आगे कर दिया। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा इस तरह बेईमानी करने की कोशिश करेगी लेकिन जनता भाजपा के खिलाफ है, विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एक-एक वोट डालकर उसे हराएगी। यह बातें उन्होने शुक्रवार को विधान परिषद के आगरा-अलीगढ़ स्नातक खंड क्षेत्र के चुनाव में सैफई में मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में व्यक्त कीं। उन्होने कहा कि पूरे प्रदेश से सूचनायें मिली हैं कि भाजपा के गुण्डों ने जगह-जगह फर्जी वोटिंग का प्रयास किया। समाजवादी पार्टी के मतदाताओं को रोकने का प्रयास किया। प्रशासन के लोग मूकदर्शक बने रहे। ऐसा लगता है, चुनाव आयोग के लोग नींद की गोली खाकर सो गये। चुनाव आयोग सब कुछ देखते हुए भी आंख मूंदे बैठा रहा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा को वोट चोरी के लिए एक विश्वविद्यालय खोल देना चाहिए, उसमें अपने कार्यकर्ताओं के लिए कम से कम तीन साल का कोर्स चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट चोरी और धांधली करके भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर रही है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। उन्होने कहा कि भाजपा ने शिक्षकों, नौजवानों के लिए कोई काम नहीं किया। भाजपा चुनाव में डरी हुई है। दस साल से भाजपा की सरकार चल रही है, तो भाजपा को इस चुनाव में गुण्डागर्दी और फर्जी मतदान की क्यों जरूरत पड़ रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में अब 40 दिन ही बचे हैं। समाजवादी पार्टी तैयार है।

कैंसर की दवाएं 70 प्रतिशत तक होंगी सस्ती

नयी दिल्ली (आससे)। कैंसर का इलाज पहले से ही मरीजों और उनके परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ डालता है। महंगी दवाओं के कारण कई परिवारों को अपनी जमा पूंजी खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में केंद्र सरकार ने कैंसर की दवाओं की कीमतों को कम करने की दिशा में एक प्रस्ताव पेश किया है। सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से कुछ कैंसर की दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी में 20 से 70 फीसदी तक की कमी आ सकती है। इससे मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया है कि वह कैंसर की दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन को उनकी अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी के 30 फीसदी तक सीमित करने की योजना बना रही है। व्यापारिक मार्जिन वह रकम होती है, जो दवा बनाने वाली कंपनी से लेकर वितरक और खुदरा विक्रेता तक दवा की बिक्री में कमाते हैं। सरकार का मकसद इस कमाई पर सीमा लगाकर दवाओं की कीमतों में होने वाली अत्यधिक बढ़ोतरी को रोकना है। हालांकि, यह प्रस्तावित व्यवस्था है। इसे लागू करने से पहले संबंधित दवाओं की सूची और दूसरे जरूरी पहलुओं पर फैसला होना बाकी है। सरकार का अनुमान है कि व्यापारिक मार्जिन की सीमा तय होने से कैंसर की दवाओं की कीमतें 20 से 70 फीसदी तक घट सकती हैं। इससे मरीजों को अपनी जेब से इलाज पर कम पैसा खर्च करना पड़ेगा। केंद्र ने कहा है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं को सस्ता बनाने के साथ उनकी उपलब्धता और कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना भी है। सरकार ने यह प्रस्ताव दवाओं की कीमतों के नियमन से जुड़ी एक जनहित याचिका के जवाब में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में रखा है। यह याचिका डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ ने दायर की है।

डार्क वेब पर डेटा लीक के बावजूद ग्राहकों का पैसा सुरक्षित-एसबीआई

नयी दिल्ली (आससे)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा है कि डार्क वेब पर जिन ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी मिली है, उनके खाते में जमा रकम और फंड पूरी तरह सुरक्षित हैं। बैंक ने साइबर घटना के बाद प्रभावित ग्राहकों को ई-मेल और व्हाट्सऐप के जरिए इसकी सूचना दी है। एसबीआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर ग्राहकों को आश्वस्त किया कि उनके धन पर कोई खतरा नहीं है। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपना ओटीपी, पिन और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। साथ ही, संदिग्ध कॉल, संदेश और ई-मेल से सतर्क रहें। मालूम हो कि दो दिन पहले बैंक के हजारों ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक होने की खबर सामने आई थी। बैंक के अनुसार, लीक हुए डेटा में 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड में व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारी (पीआईआई) मिली है। इसमें नाम, मोबाइल नंबर, ई-मेल, पता, आधार और बैंक का सीआईएफ नंबर जैसी जानकारियां शामिल हैं।

उमराह में फंसे अधिकतर भारतीय तीर्थयात्री सुरक्षित लौटे- रिजिजू

नयी दिल्ली (आससे)। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि उमराह के लिए सऊदी अरब गए अधिकतर भारतीय तीर्थयात्री सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नागरिकों की समस्याओं और चिंताओं को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। रिजिजू ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सऊदी अरब में भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास के संपर्क नंबर साझा किए। रियाद स्थित भारतीय दूतावास से +966-554412016 और +966-542126784 पर संपर्क किया जा सकता है। सऊदी अरब के भीतर टोल-फ्री नंबर 8002471234 भी उपलब्ध है। तीर्थयात्री व्हाट्सएप के जरिए +966-536216082 पर सहायता मांग सकते हैं। वहीं, जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास से +966-12-2614093 और +966-556122301 पर संपर्क किया जा सकता है। व्हाट्सएप के जरिए सहायता के लिए +966-536209704 नंबर जारी किया गया है।

भारत-चीन सीमा विवाद का सैन्य समाधान अब संभव नहीं-पूर्व आर्मी

नयी दिल्ली (आससे)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा है कि गलवान झड़प के बाद की घटनाओं से यह साफ हो गया कि चीन के साथ सीमा विवाद का कोई सैन्य समाधान संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इस घटना ने बातचीत और संवाद के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिशों को नई गति दी है। नरवणे ने कहा कि चीन के साथ हमारी सीमा का मसला अभी सुलझा नहीं है। मैं जानबूझकर सीमा शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं क्योंकि एक 'इंटरनेशनल बॉर्डर' के विपरीत- जो स्पष्ट रूप से निर्धारित होती है और जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त होती है- 'बाउंड्री' की परिभाषा उतनी स्पष्ट नहीं होती।

उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में सीमा को लेकर असहमति है, वहां झड़पें जारी रहेंगी। उन्होंने गलवान की झड़प को ऐसी ही एक घटना का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि जहां भी असहमति वाले ऐसे इलाके हैं, वहां हमारी झड़पें होती रही हैं और आगे भी होती रहेंगी। पूर्व आर्मी चीफ ने आगे कहा कि गलवान की झड़प इस तरह की घटनाओं का एक और उदाहरण थी। हालांकि, अहम बात यह है कि गलवान के बाद की घटनाओं ने साफ कर दिया है कि चीन के मामले में, सीमा विवाद का सैन्य समाधान अब कोई विकल्प नहीं है।

नरवणे ने यह भी कहा कि सीमाओं को बदलने के लिए एकतरफा तरीके से बल प्रयोग करने के मुद्दे पर भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमने साफ कर दिया है कि सीमाओं को बदलने के लिए एकतरफा बल प्रयोग करना स्वीकार्य नहीं है। नरवणे के अनुसार, इस रुख से एक बदलाव आया है और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की कोशिशों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि इससे एक बदलाव आया है और बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिशों को नई गति मिली है।

उन्होंने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत की व्यवस्था के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत की व्यवस्था महत्वपूर्ण है। नरवणे ने आगे कहा कि गलवान झड़प के बाद हुई घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि गलवान से जो सबसे बड़ा सबक मिला है, वह यह है कि भारत ने विश्व मंच पर अपनी साख को काफी मजबूत किया है- चाहे वह सैन्य, राजनयिक या राजनीतिक स्तर पर हो। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प भारत-चीन संबंधों में एक बड़ा मोड़ साबित हुई। इस टकराव में दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ा। इस घटना के कारण पूर्वी लद्दाख में लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बना रहा, जिसमें दोनों देशों ने एलएसी के पास अपने सैनिक और सैन्य उपकरण तैनात कर दिए। इसके बाद, भारत और चीन ने सीमा पर गतिरोध को सुलझाने और टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों को पीछे हटाने के लिए कई दौर की सैन्य और राजनयिक बातचीत की।

अक्टूबर 2024 में, दोनों देश पूर्वी लद्दाख के डेपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त की व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंचे। इससे 2020 के गतिरोध से जुड़े बाकी टकराव वाले बिंदुओं से भी सैनिकों को पीछे हटाने में मदद मिली। यह समझौता तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, हालांकि इससे सीमा से जुड़ा बड़ा विवाद हल नहीं हुआ। तब से दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिशें जारी हैं। अगस्त 2025 में, शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई।

इस दौरान दोनों पक्षों ने अपने मतभेदों को संभालते हुए संबंधों को सुधारने का प्रयास किया।

दोनों देशों ने 'विशेष प्रतिनिधि तंत्र' के जरिए भी बातचीत जारी रखी है। इस तंत्र को सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से बनाया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

नयी विश्व व्यवस्था...

बढ़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, इंजीनियरिंग, डेटा विश्लेषण और उत्पाद विकास जैसे उन्नत क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। मोदी ने आगाह किया कि जब दुनिया नई व्यवस्था की तलाश कर रही है, तब कुछ लोग भारत में अव्यवस्था का सपना देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के दौर में दुनिया के सामने मजबूत भारत की छवि होनी चाहिए। इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में अशांति के पीछे बाहरी प्रोत्साहन और समर्थन भी रहा है। कुछ लोग अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी परिस्थितियों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक बदलाव, सीमाओं से परे बढ़ती राजनीति, प्रौद्योगिकी के प्रसार और अर्थव्यवस्थाओं के वैश्वीकरण के साथ दुनिया में अस्थिरता और अनिश्चितता भी बढ़ी है।

युवाओंको...

कर रहे थे। मोदी ने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था को नए भारत की जरूरतों के अनुरूप बनाया जा रहा है। इसमें भारतीय परंपराओं और ज्ञान के साथ मातृभाषा में शिक्षा, आधुनिक विज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी संस्थानों को राष्ट्रीय विकास और देश का गौरव बढ़ाने के साझा लक्ष्य के लिए काम करना चाहिए। समाज को विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ एकजुट करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में विदेशों से चोरी की गई 650 से अधिक प्राचीन मूर्तियों और पुरावशेषों को भारत वापस लाया गया है। इससे देश की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि भारत के सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पहचान मिल रही है और वे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी जगह बना रहे हैं। तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से नौ हजार से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। यह सम्मेलन स्वामी चिन्मयानंद द्वारा 1951 में स्थापित चिन्मय मिशन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सालभर के समारोहों का समापन है। मिशन ने आध्यात्मिक शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा सशक्तीकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में व्यापक कार्य किया है।

जियो के आईपीओ में बने बड़े रिकार्ड



मुंबई -भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास में नया कीर्तिमान रचते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज समर्थित डिजिटल सेवा कंपनी जिओ प्लेटफॉर्म्स का 30,213 करोड़ का शुरुआती सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को रिकॉर्ड 22.19 गुना ओवरसब्सक्राइब होकर बंद हुआ। एंकर निवेशकों और पब्लिक इश्यू को मिलाकर कंपनी को कुल 7.4 लाख करोड़ से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं। इसके साथ ही इस आईपीओ को कुल 1.39 करोड़ आवेदन मिले, जिसने भारतीय प्राथमिक शेयर बाजार में आवेदनों की संख्या का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड कायम कर दिया है। जियो आईपीओ को निवेशकों की ओर से बंपर रिस्पॉन्स मिला है और इसके अंतिम सब्सक्रिप्शन आंकड़े बेहद शानदार रहे हैं। कुल मिलाकर यह इश्यू 22.19 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जिनका कोटा रिकॉर्ड 70.55 गुना भर गया। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 14.00 गुना और रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा, आरक्षित कोटे में भी अच्छी मांग रही, जहां शेयरधारकों ने 7.60 गुना और कर्मचारियों ने 2.93 गुना बोलियां लगाईं। 22 अक्तूबर से 24 अक्टूबर तक खुले इस आईपीओ ने पहले ही दिन से निवेशकों को आकर्षित किया। इश्यू के पहले दिन बुधवार को मात्र 100 मिनट के भीतर यह पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था, जो भारत में इतने बड़े आकार के आईपीओ के लिए सबसे तेज गति है। इस आईपीओ को मिले 1.39 करोड़ आवेदनों ने सोलर उपकरण निर्माता कंपनी वारी एनर्जीज द्वारा बनाए गए 97.34 लाख आवेदनों के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सार्वजनिक पेशकश से पहले 19 अक्तूबर को जियो प्लेटफॉर्म्स ने 212 एंकर निवेशकों से 1,119 प्रति शेयर की ऊपरी मूल्य सीमा पर 8,110 करोड़ जुटाए थे। एंकर बुक में आवंटन से 30 गुना से अधिक यानी 2.5 लाख करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड बोलियां प्राप्त हुई थीं। एंकर निवेशकों में दुनिया के शीर्ष एसेट मैनेजर्स और सॉवरेन वेल्थ फंड्स शामिल रहे, जिनमें ब्लैकरॉक, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स, जीआईसी और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी प्रमुख हैं। भारत के सबसे बड़े आईपीओ के रूप में जिओ प्लेटफॉर्म्स ने हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अरब डालर घटकर 721 अरब डालर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.01 अरब डॉलर घटकर 721.02 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 8.58 अरब डॉलर घटकर 726.03 अरब डॉलर रहा था। प्रवासी भारतीयों की जमा पर विशेष रियायती अदला-बदली योजना के तहत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आने से चार सितंबर को समाप्त स